मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

BBHLA–135

स्नातक उपाधि कार्यक्रम (बी. ए. जी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

बी.बी.एच.एल.ए.-135 : आधुनिक भारतीय भाषा—भोजपुरी

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *सभ प्रस्नन के उत्तर दीं।*

1. नीचे लिखल वाक्यन में से सही/गलत के पहचान करीं : 10

   (क) 'रजाई' एगो निबंध ह।

   (ख) मोती बी. ए. के पूरा नाम मोती प्रसाद मिश्र रहल।

   (ग) दू आदमीयन के आपस के बातचीत के संवाद कहल जाला।

   (घ) छोट गीतन के प्रगीत कहल जाला।

   (ङ) 'गलीज बहू' गबर घिचोर के एगो पात्र हवे।

2. सही उत्तर से खाली जगह के भरीं : 10

(क) 'गबरघिचोर' एगो ..... कथा पर आधारित बा।

(शहरी/गँवई)

(ख) भोजपुरी भाषा के लिपि ..... हवे।

(कैथी/नागरी)

(ग) शेरशाह सूरी ..... के रहनिहार रहीं।

(आरा/सासाराम)

(घ) कवना दुखे डोली में रोवति जाति .....।

(कनिया/बिटिया/पतोहिया)

(ङ) ..... लेखक का दुनिया के फिर से जिएला ?

(कवि/अनुवादक)

3. सप्रसंग व्याख्या करीं : 12

'बोट के जमाना आइल त कँगाली के एगो कमरी मिलि गईल। अब ऊहो दुख छुटि गइल। बाकी कुल्हि जने के जाड़ एगो कमरी से कइसे जाव ? कँगाली दुआरे पर कउड़ा क के ओही के अलम्मे राति काटे लगलें।'

4. मंचन के दृस्टि से 'गबरघिचोर' नाटक के मूल्यांकन करीं। 14

5. प्रसिद्ध भोजपुरी साहित्यकारन के संक्षिप्त परिचय दीं। 14

6. वाक्य के परिभासा दे के ओकर प्रकार बतलाइ। 14

7. 'सेमर के फूल' के सारांस लिखीं। 10

8. नीचे लिखल बिसय में से कवनो एगो पर संक्षेप में प्रकास डालीं : 10

(क) निबन्ध लेखन के प्रक्रिया

(ख) भिखारी ठाकुर

(ग) राहुल सांकृत्यायन

9. नीचे लिखत बिसय में से कवनो एगो पर टिप्पणी लिखीं : 6

(क) कोड मिक्सिंग

(ख) चइता

(ग) कैथी लिपि

× × × × ×